OK

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 910 **B**

Unique Paper Code : 62051201

Name of the Paper : Hindi Kavita (Madhyakal Aur Aadhunik Kaal)

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

1. किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए - (10×2=20)

(क) कबीर माला काठ की, कहि समझावै तोहि ।
मन न फिरावै आपणों, कहा फिरावै मोहि ।।

(ख) बहु सुख बहु रुचि बहुवचन, बहु अचार व्यवहार।

इनको भलो मनाइबो, यह अजान अपार।।

(ग) अति सूधो सनेह को मारग है जहँ नेकु सयानप बाँक नहीं।

तहँ साँचे चलै तजि आपनुपौं, झिझकै कपटी जे निसांक नहीं।

घनआनन्द प्यारे सुजान सुनौ इत एक ते दूसरो आँक नहीं।

तुम कौन धौं पाटी पढ़े हो लला, मन लेहु पै देहु छटाँक नहीं।।

(घ) जो उच्च शिखर की ओर बढ़े

रह-रह, नव-नव उत्साह भरे

पर कुछ ने ले ली हिम-समाधि

कुछ असफल ही नीचे उतरे!

उनको प्रणाम!

2. कबीरदास की काव्य-भाषा पर प्रकाश डालिए।

अथवा

"सूर वात्सल्य का कोना-कोना झाँक आए हैं" इस कथन के परिप्रेक्ष्य में सूरदास की वात्सल्य भावना का विश्लेषण कीजिए। (12)

3. घनानंद की प्रेम-व्यंजना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

पाठ्यक्रम में निर्धारित बिहारी के दोहों का प्रतिपाद्य लिखिए। (12)

4. 'बीती विभावरी जाग री' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए। (12)

अथवा

'हिमालय के आंगन में' कविता की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

5. 'गीत फरोश' कविता के आधार पर कवि के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

'उनको प्रणाम' कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए।

6. तुलसीदास अथवा मैथिलीशरण गुप्त का साहित्यिक परिचय लिखिए। (7)